रक्षाबंधन पर्व की कोटि-कोटि बधाईयाँ

दुनियां के पालनहार, सर्व की सुरक्षा करने वाले, पवित्रता के सागर, परमपिता परमात्मा शिवबाबा के अतिप्रिय दैवी भ्राता.....।

पावन रक्षाबंधन की हार्दिक बधाई स्वीकार कीजिये!

राखी का पर्व मनुष्य को केवल दैहिक पवित्रता के बन्धन में ही नहीं बांधता बल्कि मन-वचन और कर्म की पवित्रता के लिए प्रेरित करता है। आज के समय में अपवित्रता और आसुरी संस्कारों से चारों तरफ पवित्र रिश्तों में गिरावट आयी है। यह बन्धन केवल भाई-बहनों तक ही सीमित नहीं है बल्कि हम सभी मनुष्य आत्मायें आत्मिक रूप में एक परमात्मा के बच्चे हैं। आज जरूरत है कि हम रक्षाबन्धन के स्नेह को धागे को एक संकल्प के रूप में बांधे जिससे हमारी हर प्रकार से सुरक्षा के लिए परमात्मा शक्ति प्रदान करें और एक नये जीवन, नये युग का शुभारम्भ हो।

आइये, सर्व मनुष्यात्माओं को तथा परमात्मा के बीच सम्बन्धों को घनिष्ठ बनाने वाली इस राखी को **'स्व-कल्याण से विश्व कल्याण'** के दृढ़ संकल्प के साथ कलाई पर बाँधें तथा एक दूसरे को नि-स्वार्थ प्यार, एकता तथा सदभावना के मधुर वचन की मिठाई खिलाते हुए मायावी संस्कारों पर विजय प्राप्त करने हेतु मस्तक पर विजय का तिलक सुशोभित करें।

राखी है यह पर्व सुहाना। इसका दौलत से ना कर्ज चुकाना।
परमात्म शक्ति और दुआयें भरकर, राखी का फर्ज निभाना।।

सेवाकेन्द्र :

ईश्वरीय सेवा में
आपकी दैवी बहन